डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार

समुद्री खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य

04-05 **जनवरी** 2024

दिनांक 04-05 जनवरी 2024 के दौरान डीएसटी-एसईआरबी द्वारा प्रायोजित "समुद्री खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी , भा कृ अनु प- के मा शि सं, मुंबई के पोस्ट-हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी विभाग में आयोजित की गई । इस संगोष्ठी में समुद्री भोजन सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करने पर जोर दिया गया । जिसमें मानव स्वास्थ्य महत्व, रोगाणुरोधी प्रतिरोध, जलवायु परिवर्तन और जनता पर उनके प्रभाव के समुद्री भोजन से उत्पन्न रोगज़नक़ शामिल हैं। स्वास्थ्य समस्या को कम करने के लिए भविष्य की रणनीतियाँ जैसे वन-हेल्थ दृष्टिकोणपर चर्चा की गई । सेमिनार का उद्घाटन खाद्य एवं कृषि संगठन के के पूर्व वरिष्ठ मत्स्य अधिकारी डॉ. इद्या करुणासागर ने "समुद्री खाद्य सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार: एक नियामक परिप्रेक्ष्य" पर अपने उद्घाटन व्याख्यान के साथ किया। इसके बाद विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. ज्योति प्रकाश तमांग सहित प्रख्यात वक्ताओं ने व्याख्यान दिए। माइक्रोबायोलॉजी, सिक्किम विश्वविद्यालय; डॉ. एस.बी. बारबुद्धे, निदेशक, आईसीएआर-एनएमआरआई, हैदराबाद; डॉ. राजेश भाटिया, पूर्व सलाहकार, एफएओ; डॉ. जी. जयशेखरन, एनपीसी, नई दिल्ली; डॉ. अर्चना रथ, एएमआर प्रयोगशाला, मुंबई विश्वविद्यालय और डॉ. सी.एन. रविशंकर, निदेशक और कुलपति, भा कृ अनु प- के मा शि सं , मुंबई ने भी व्याख्यान प्रस्तुत किया । व्याख्यान के विषयों में खाद्य सुरक्षा मुद्दों के विविध पहलुओं को शामिल किया गया जैसे पारंपरिक, किण्वित खाद्य पदार्थों की मेटाटैक्सोनोमिक और खाद्य सुरक्षा विशेषताएं; मछली और मांस उत्पादों में लिस्टेरिया मोनोसाइटोजेन्स का महत्व; पर्यावरणीय आयामों और एक-स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य से समुद्री खाद्य सुरक्षा; नवीन मछली प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों से जुड़ी समुद्री भोजन प्रमाणीकरण और खाद्य सुरक्षा चुनौतियाँ आदि । सेमिनार में 60 से अधिक लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई और केयूएफओएस, केरल जैसे अन्य संस्थानों के छात्र और संकाय शामिल थे।

CAR-CIFE

CAR-CIFE